

दिव्यांग से 40 हजार लेते ईएसआईसी प्रबंधक काबू



बहादुरगढ़। एसीबी की गिरफ्त में आरोपी शाखा प्रबंधक कुलदीप।

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बहादुरगढ़ में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के शाखा प्रबंधक को 40 हजार रुपये की रिश्तत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पर दिव्यांगता सहायता राशि जारी करने के बदले रिश्तत मांगने का आरोप है। कार्रवाई एसीबी भिवानी की टीम ने इंस्पेक्टर जगजीत सिंह

■ हादसे में दिव्यांग हो गया था इलेक्ट्रिशियन, 2.40 लाख सहायता राशि दिलवाने के नाम पर मांगी रिश्तत

के नेतृत्व में की। बता दें कि बहादुरगढ़ के कच्चा बाग निवासी मंजु के पति रोहतशा एक फैक्ट्री में इलेक्ट्रिशियन के रूप में कार्यरत थे, लेकिन करीब 2 साल पहले ड्यूटी के दौरान हुए हादसे में रोहतशा अस्थायी रूप से दिव्यांग हो

गए। उन्हें करीब 2 लाख 40 हजार रुपये की दिव्यांगता सहायता राशि जारी करने के बदले शाखा प्रबंधक कुलदीप सिंह 40 हजार रुपये की रिश्तत मांग रहा था। पीड़िता मंजु ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो से की, जिसके बाद उसे पकड़ा गया। बताया जा रहा है कि कुलदीप मूल रूप से भिवानी का रहने वाला है। वह डेढ़ साल पहले ही तमिलनाडु से स्थानांतरित होकर बहादुरगढ़ आया था।

खबर संक्षेप

कमरे में कई दिन से बंद गर्भवती महिला का शव मिला, बदबू से खुला राज

गुहला-चीका। हलका के गांव भागल में एक किराये के मकान से गर्भवती महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका का पति मूल रूप से उत्तर प्रदेश का निवासी बताया जा रहा है और स्थानीय गोशाला में कार्य करता था। वह लगभग एक माह पहले अपनी पत्नी को गांव भागल लेकर आया था। बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों से मकान के बाहर ताला लगा हुआ था। जब मकान मालिक वहां से गुजर रहा था तो उसे मकान के अंदर से तेज दुर्गंध आने लगी। शक होने पर उसने खिड़की से अंदर देखा तो महिला कमरे में मृत अवस्था में पड़ी दिखाई दी। इसके बाद उसने तुरंत पुलिस के अनुसार मृतका गर्भवती थी। वहीं प्रारंभिक जानकारी में महिला की गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।

टोल सुपरवाइजर से चौथे मांगने वाला दबोचा

पलवल। पलवल सीआईए होडल टीम ने केजीपी एक्सप्रेस-वे पर टोल प्लाजा सुपरवाइजर से रंगदारी मांगने और हमला करने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मीसा गांव निवासी कुलदीप के रूप में हुई है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। होडल सीआईए प्रभारी जगमिंदर सिंह ने बताया कि सिहोल गांव निवासी गौरव पेलक टोल प्लाजा पर सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत है। गौरव ने चांदहट थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि धर्मेंद्र उर्फ मालिया और उसके साथी पिछले 7-8 महीनों से टोल चलाने के बदले 50 हजार रुपये प्रति माह की रंगदारी मांग रहा था। शिकायत के अनुसार, 2 मार्च की शाम को आरोपियों ने एक साजिश के तहत हथियारों से लैस होकर गौरव के ऑफिस में घुसकर उन पर हमला कर दिया। पुलिस ने मुख्य आरोपी धर्मेंद्र उर्फ मालिया निवासी मीसा, तरुण निवासी गांव सहदेव का नंगला, अभिषेक उर्फ अब्दु और मनीष निवासी हसनपुर को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

गर्लफ्रेंड को जलाकर मारने पर झज्जर का युवक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ►► गुरुग्राम

गर्लफ्रेंड को तेल डालकर जलाने के मामले में पुलिस ने आरोपी बॉयफ्रेंड को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सुनील कुमार (35 वर्ष) निवासी गुभाणा, बादली, जिला झज्जर के रूप में हुई है। सुनील की गुरुग्राम में गोल्ड खरीदने की दुकान है, जिस पर मृतका दिव्या कटारिया अपना सोना बेचने आई थी। इसी दौरान दोनों के बीच दोस्ती हो गई थी। 19 जून को दोनों के बीच एक फ्लैट पर झगड़ा हो गया और सुनील ने उसके ऊपर केरोसिन डालकर आग लगा दी। जिसे पहले आर्टिमिस अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जिसे बाद में गंभीर हालत के चलते संफदरजंग अस्पताल, दिल्ली रेफर कर दिया गया था। हालांकि उस समय पीड़िता के साथ उपस्थित उसकी मां ने पुलिस टीम को बयान देने से मना कर दिया था और कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करने की बात कही।

27 जून को दिव्या कटारिया की सफदरजंग अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पीड़िता की मृत्यु के पश्चात मृतका के चचेरे भाई विकास कटारिया ने 30 जून को थाना सेक्टर-9 में हत्या की एफआईआर दर्ज करवाई। अपनी शिकायत में उसने बताया कि 22 जून को वह अस्पताल में अपनी बहन से मिलने गया तो दिव्या ने



पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

उसे बताया कि सुनील उर्फ नोनी नाम के लड़के ने उसे जबरन जलाया है और किसी को सच बताने पर उसको, उसकी मां व बहन को जान से मारने की धमकी दी है। इसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी को सेक्टर-9ए से अरेस्ट कर लिया। आरोपी से पूछताछ में पता चला कि वह गोल्ड बायर की दुकान चलाता है और शादीशुदा है। दिव्या करीब डेढ़ साल पहले सोना बेचने आई थी, जिस दौरान इनकी आपस में दोस्ती हो गई और ये एक-दूसरे के साथ रिलेशन में आ गए। मृतका को जब उसके शादीशुदा होने का पता लगा तो इन दोनों के बीच झगड़ा जो गया। पुलिस टीम ने आरोपी की निशानदेही पर दुकान में रखी केरोसिन की बोतल व मोबाइल बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी को दो दिन के रिमांड पर लिया है।

हरिभूमि न्यूज ►► हिसार

शहर की शिव कॉलोनी में लिव इन में रहने वाली 32 वर्षीय महिला पूजा की 28 वर्षीय बॉयफ्रेंड गौरव ने चाकुओं से ताबड़तोड़ वार करके हत्या कर दी। गुरुवार अलसुबह करीब अढ़ाई बजे हत्या करने के बाद आरोपी पुलिस के पास पहुंच गया और बताया कि उसने पूजा की हत्या कर दी है। सुबह पड़ोसियों



मृतका पूजा।

उसके तीन बच्चे हैं लेकिन अब वह पिछले लगभग पांच साल से अपने बॉयफ्रेंड साथ शिवनगर में लिव-इन में रह रही थी। गौरव ई-रिक्षा चलाता है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पूजा अब किसी अन्य युवक के संपर्क में थी, इसलिए उसे मार दिया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गुरुवार तड़के अढ़ाई बजे दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि गौरव ने गुस्से में आकर पूजा पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। महिला के गले, पेट और पीठ पर कई वार किए गए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

डेढ़ करोड़ की हेरोइन तस्करी में नर्सरी संचालक 2 भाई गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ►► यमुनानगर

जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम द्वारा ग्यारह दिन पहले एक नशा तस्करी से बरामद की गई डेढ़ करोड़ रुपये कीमत की हेरोइन के मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर ले लिया। एंटी नारकोटिक्स सेल के प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम द्वारा गत 22 जून को एक नशा तस्करी को गिरफ्तार कर उसके पास से करीब डेढ़ करोड़ रुपये कीमत की 1 किलो 200 ग्राम हेरोइन बरामद



की थी। पूछताछ में उस समय पकड़े आरोपी नशातस्कर ने बताया था कि वह हेरोइन की सप्लाई पुराना हमीदा निवासी अमानत व सलामत को देने के लिए आया था। जिसके बाद पुलिस मामले में आरोपी अमानत व सलामत को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपी भाई हैं और नर्सरी के औरंगाबाद निवासी राकेश कुमार हिसार में मजदूरी

डेयरी पर गिरी बिजली, 38 मवेशी मलबे में दबे

हरिभूमि न्यूज ►► भूना

मानसून की पहली तेज बारिश कई लोगों के लिए आफत बनकर आई। दहमान गांव में बिजली गिरने से एक डेयरी संचालक की वर्षों की मेहनत पर संकट आ गया। गुरुवार तड़के हुई तेज बारिश और तूफान के दौरान बिजली गिरने से डेयरी की इमारत भरभराकर ढह गई, जिसके मलबे में 30 भैंस और 8 गाय दब गईं। हादसे में 8 पशु गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि पूरी डेयरी को भारी नुकसान पहुंचा है। मिली जानकारी के अनुसार दहमान गांव निवासी डेयरी संचालक रमेश कुमार



भूना। दहमान गांव में बिजली गिरने से ढही डेयरी

एमपी से आरोपियों को गुरुग्राम ला आ रहे जवानों को दिया धोखा पेट्रोल भरवाने उतरे पुलिसकर्मी, हिरासत से गाड़ी लेकर भागे आरोपी बाप-बेटा

हरिभूमि न्यूज ►► गुरुग्राम

पुलिस की हिरासत से धोखाधड़ी के आरोपी पिता-पुत्र फरार हो गए। मध्य प्रदेश के एक टीम ने दोनों को मधुप्रदेश के मंदसौर जिले से गिरफ्तार किया था। लौटते वक्त गरोट एरिया में पुलिस टीम गाड़ी में पेट्रोल भरवाने के लिए रुकी। इसी दौरान दोनों पुलिस की हिरासत से भाग गए। दोनों आरोपी पुलिस की गाड़ी भी साथ ले गए। हालांकि, मंदसौर पुलिस की नाकेबांदी की वजह से जंगल में गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। इसका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों पुलिसकर्मियों को चकमा देकर भागते दिखाई दे रहे हैं।



गुरुग्राम। मंदसौर में पेट्रोल पंप पर रुकी पुलिस कर्मियों की सफेद गाड़ी।

जानकारी के अनुसार, हरियाणा के गुरुग्राम पुलिस थाने में दर्ज धोखाधड़ी के एक मामले में पुलिस ने मध्यप्रदेश के धार जिले के पीथमपुर से युवक को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी को सड़क मार्ग से

वापस गुरुग्राम लेकर जा रही थी। पुलिस गाड़ी में आरोपी के साथ उसका पिता भी बैठा हुआ था। यह मामला बुधवार की शाम का है। पुलिस की गाड़ी मंदसौर जिले के गरोट चौकड़ी स्थित नायरा पेट्रोल पंप पर रुकी। यहां

नारी स्वास्थ्य समस्याओं में भरोसेमंद



90 वर्षों से No.1 वुमन हेल्थ टॉनिक



कमर-पेड़ में दर्द, खून की कमी, कमजोरी, हथेली-तलवों में जलन, हार्मोन्स असंतुलन चिड़चिड़ापन आदि कठिन समस्याओं में सहायक

हेमपुष्पा

Helpline: 011-23261111, rajvaidyacare@gmail.com

थाने से 32 हथियार चुराने वाले ने खोला राज

गर्लफ्रेंड पर नजर रखी तो चचेरे भाई को मार डाला

■ युवती ने भी प्रेमी का साथ दिया और घर बुलाकर नशीली गोлияं दीं, गला दबाने के बाद दोनों ने नहर में शव फेंका

हरिभूमि न्यूज ►► फरीदाबाद

सेक्टर-8 थाने से 32 लाइसेंसी हथियार चोरी के मामले में आरोपी आईटीआई छात्र ने जांच के दौरान एक हत्या के राज से भी पर्दा उठाया है। गांव करनेरा निवासी मोनू ने स्वीकार किया कि उसने एक वर्ष पहले अपने 19 वर्षीय चचेरे भाई शिवम की हत्या कर उसका शव गुरुग्राम नहर में फेंक दिया था। शिवम को परिवार पिछले एक साल से लापता मानकर उसकी तलाश कर रहा था। जांच में सामने आया कि मोनू को यह संदेह था कि शिवम उसकी प्रेमिका सरिता पर बुरी नजर रखता है। पुलिस के अनुसार, इसी शक के चलते दोनों ने मिलकर शिवम की हत्या की योजना बनाई। घटना वाले दिन जब घर में कोई मौजूद नहीं था, तब सरिता ने शिवम को अपने घर बुलाया और कथित तौर पर चाय में नशीली गोлияं मिलाकर उसे पिता दी। बेहोश होने के बाद दोनों ने गला दबाकर और तक्रिए से मुंह बंद कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद रात के समय शव



आरोपी मोनू व सरिता।

को मोटरसाइकिल पर ले जाकर गुरुग्राम नहर में फेंक दिया। पुलिस ने इस मामले में सरिता को भी गिरफ्तार कर लिया है। 9 जुलाई 2025 को अचानक गायब होने के बाद शिवम के परिजनों ने उसके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। अब हथियार चोरी मामले में पूछताछ के दौरान आरोपी के कबूलनामे के बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर कुछ खतता है। पुलिस के अनुसार, इसी शक के चलते दोनों ने मिलकर शिवम की हत्या की योजना बनाई। घटना वाले दिन जब घर में कोई मौजूद नहीं था, तब सरिता ने शिवम को अपने घर बुलाया और कथित तौर पर चाय में नशीली गोлияं मिलाकर उसे पिता दी। बेहोश होने के बाद दोनों ने गला दबाकर और तक्रिए से मुंह बंद कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद रात के समय शव

मृतक के बड़े भाई विशाल ने आरोप लगाया कि शिवम के लापता होने के समय से ही परिवार को मोनू को अपने घर बुलाया और कथित तौर पर चाय में नशीली गोлияं मिलाकर उसे पिता दी। बेहोश होने के बाद दोनों ने गला दबाकर और तक्रिए से मुंह बंद कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद रात के समय शव

इस माझूम की टूटी सांसों का कौन जिम्मेदार?



एक ही वेंटिलेटर है : पीएमओ

एनआईसीयू में केवल एक ही वेंटिलेटर है। उस पर पहले से एक बच्चा भर्ती था। अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भी वेंटिलेटर उपलब्ध नहीं था, इसलिए नवजात को बेहतर उपचार की उम्मीद में रोहतक रेफर किया गया था। - डॉ. रीना जैन, पीएमओ, नागरिक अस्पताल।

बाद उसे भर्ती तो कर लिया गया, लेकिन डॉक्टरों ने बताया कि वेंटिलेटर सुबह सात बजे तक मिल सका। पूरी रात इंतजार करने के बाद भी वेंटिलेटर उपलब्ध नहीं हुआ। इसके बाद डॉक्टरों ने परिजनों से बच्चे

को कहीं और ले जाने की बात कही। परिजनों का कहना है कि वे बच्चे को लेकर वापस हिसार पहुंचे और एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक नवजात की बुआ ज्ञानो ने कहा कि यदि समय पर इलाज और वेंटिलेटर मिल जाता तो शायद जान बचाई जा सकती थी। परिवार ने निष्पक्ष जांच की मांग की है।

कार और बाइक की टक्कर में दो चचेरे भाइयों की मौत

■ छह माह पहले हुई थी एक युवक की शादी, पत्नी के जन्मदिन का केक लेने गया था

भिवानी। कार और बाइक की टक्कर में 2 चचेरे भाइयों की मौत हो गई। मृतकों में से एक युवक की करीब 6 महीने पहले ही शादी हुई थी, जो अपनी पत्नी के जन्मदिन पर जुई से चचेरे भाई के साथ केक लेकर घर

लौट रहा था। इसी दौरान कार ने बाइक को उड़ा दिया। दोनों गांव लेंघां हेतवान से केक लेने के लिए जुई आए थे। हादसे के बाद कार ड्राइवर मौके से फरार हो गया। वहीं, परिजनों का कहना है कि वो आरोपी की गिरफ्तारी तक वो दोनों का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। मृतकों की पहचान भिवानी के गांव लेंघां निवासी विकास (22) और आशीष (20) के रूप में हुई।

बराड़ा (हरिभूमि न्यूज)। पश्चिम बंगाल की एक किशोरी व जम्मू का युवक पुलिस को चकमा देकर चलती ट्रेन से कूदकर फरार हो गए। दोनों में प्रेम संबंध होने की चर्चा है। जांच टीम दोनों को जम्मू कश्मीर से हिरासत में लेकर पश्चिमी बंगाल लौट रही थी। बहाने से फरार हुए जोड़े की वजह से अब जांच टीम को मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। आरपीएफ की ओर से भी फरार जोड़े को तलाशने की कसरत की लेकिन कमयाबी नहीं मिली। दरअसल पिछले दिनों पश्चिम बंगाल के समाचार पत्रों में एक मुस्लिम युवक द्वारा हिंदू किशोरी को ले जाने का मामला सुर्खियों में आया था। कई हिंदू संगठनों ने इसे लव जेहाद का मामला करार देकर आरोपी युवक के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग की थी। मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए एक पांच सदस्यीय जांच टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसमें एक राह इंस्पेक्टर व दो महिला व दो पुरुष जवान भी शामिल थे। जांच के दौरान शुरू में किशोरी का मोबाइल बंद रहा मगर कुछ दिनों के बाद अचानक कुछ समय के लिए ऑन हो गया। पश्चिम बंगाल पुलिस ने साइबर सेल के जरिए जोड़े को तलाशना शुरू किया। जांच टीम ने दोनों को जम्मू की एक जगह से अपनी हिरासत में ले लिया। दोनों को लेकर जांच टीम ट्रेन के जरिए वापिस लेकर जा रही थी। मगर पुलिस हिरासत से किशोरी व युवक बराड़ा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन धीमी होते ही चकमा देकर फरार हो गए। पता चला है कि जम्मू से संबंध रखने वाले युवक का बराड़ा से पुराना संबंध रहा है। साथ ही उसके यमुनानगर स्थित एक फेक्ट्री में नौकरी करने की जानकारी मिली है।

पुलिसकर्मी गाड़ी में ईंधन भरवाने और वांशरूम जाने के लिए गाड़ी से नीचे उतर जाते हैं। इसी दौरान पीछे बैठे आरोपी ने मौका देखकर

तेजी से पुलिस की गाड़ी की ड्राइविंग सीट संभाल ली और कुछ ही सेकंड में वहां से फरार हो गए। फिलहाल हरियाणा पुलिस और

गरोट पुलिस की संयुक्त टीम फरार आरोपियों की तलाश में लगातार सच अभियान चला रही है।

ख़बर संक्षेप

वाट्सएप: 1 अगस्त से बदलेगा एआई मॉडल

नई दिल्ली। मेटा अपने वाट्सएप बिजनेस एआई एजेंट के बिलिंग सिस्टम में 1 अगस्त 2026 से बड़ा बदलाव करने जा रहा है। अब तक कारोबारियों से प्रति-मैसेज के हिसाब से शुल्क लिया जाता था, लेकिन अब बिलिंग टोकन की खपत के आधार पर होगी। यह चौबीसों घंटे काम करने वाला एडवॉरस एआई एजेंट ग्राहकों के सवालों के जवाब देने, लीड्स जेनरेट करने और अपॉइंटमेंट बुक करने जैसे काम करता है।

एनबीसीसी ने 955 करोड़ रुपये के निर्माण ठेके दिए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनबीसीसी ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में विभिन्न निर्माण परियोजनाओं के लिए 955.13 करोड़ रुपये के ठेके दिए हैं। कंपनी ने बुधस्पातिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि 30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के दौरान उसने 955.13 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों के ठेके प्रदान किए। एनबीसीसी ने पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कुल नौ ठेके दिए।

जी एंटरटेनमेंट वॉरंट जारी कर 3143 करोड़ जुटाएगी



नई दिल्ली। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के निदेशक मंडल ने प्रवर्तक समूह की इकाई को पूर्ण परिवर्तनीय वॉरंट जारी कर 3,143.51 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। 126 रुपये प्रति वॉरंट के निर्गम मूल्य पर 24.95 करोड़ तक पूर्ण रूप से परिवर्तनीय वॉरंट जारी करने की मंजूरी दी है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राशिफल

 आशा- निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

 धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना नही है। परिश्रम अधिक रहेगा।

 मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

 आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

 नौकरी के लिए साक्षात्कारदि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएँ खत्म होंगी।

 शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।

 जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सान्निध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

 मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।

 मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रही रहे। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।

 शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

 भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।

 मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी।

नई योजना में 15 हजार से अधिक वेतन पर अंशदान स्वेच्छिक

एजेंसी ►► नई दिल्ली

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने नई कर्मचारी भविष्य निधि योजना-2026 के तहत 15,000 रुपये मासिक वेतन सीमा से ऊपर के अंशदान को स्वेच्छिक कर दिया है। 1,800 रुपए से अधिक का अंशदान करना अब अनिवार्य नहीं होगा। नई ईपीएफ योजना के मुताबिक, किसी सदस्य के लिए देय अंशदान केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित वेतन सीमा के अधीन होगा। यदि किसी सदस्य का मासिक वेतन निर्धारित वेतन सीमा से अधिक है तो नियोक्ता और कर्मचारी दोनों का अंशदान केवल 'वेतन सीमा' के आधार पर देय अंशदान तक ही सीमित रहेगा। जिन मामलों में कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के तहत उच्च वेतन पर अंशदान की अनुमति दी गई है, उनमें नियोक्ता वेतन सीमा से अधिक हिस्से पर भी पेंशन कोष में योगदान कर सकता है।

ईपीएफ में 1800 रुपये से अधिक का अंशदान नहीं रहा अनिवार्य

2014 में थी इतनी अधिकतम सीमा

वर्ष 2014 में संशोधन के बाद कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) में नियोक्ता का 8.33 प्रतिशत योगदान 15,000 रुपए की वेतन सीमा (यानी अधिकतम 1,250 रुपए प्रति माह) तक सीमित कर दिया गया था, जबकि उससे अधिक राशि ईपीएफ खाते में चली जाती थी।



पहले की योजनाओं में भी सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद दावों के निपटान में देरी होने पर दंडात्मक ब्याज का प्रावधान था। उन्होंने बताया कि पहले संबंधित अधिकारियों को भविष्य निधि जमा पर घोषित ब्याज दर के बराबर राशि देनी होती थी, जबकि अब इसे 12 प्रतिशत वार्षिक की निश्चित दर पर तय कर दिया गया है।

नई योजना में क्या?: नई ईपीएफ योजना में यह प्रावधान भी है कि जिन मामलों में कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के तहत उच्च वेतन पर योगदान की अनुमति है, उनमें नियोक्ता वेतन सीमा से अधिक राशि पेंशन कोष में जमा कर सकता है। इस बदलाव के बाद कर्मचारी और नियोक्ता दोनों के पास यह विकल्प होगा कि वे वेतन सीमा तक ही अंशदान करें या वास्तविक अधिक वेतन पर स्वेच्छा से अधिक योगदान करें। हालांकि, भविष्य निधि अंशदान में इस बदलाव पर श्रम मंत्रालय की ओर से अभी तक कोई टिप्पणी नहीं आई है।

डिजिटल अनुपालन और भविष्य निधि (पीएफ) निकासी तथा पेंशन निर्धारण जैसे दावों के समय पर निपटारा

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन संचालित नई सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में डिजिटल अनुपालन और भविष्य निधि (पीएफ) निकासी तथा पेंशन निर्धारण जैसे दावों के समयबद्ध निपटान पर विशेष जोर रहेगा। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 2026, कर्मचारी पेंशन योजना, 2026 और कर्मचारी जमा-संबद्ध बीमा योजना, 2026 को अधिसूचित कर दिया है। मंत्रालय ने नई योजनाओं में ईपीएफओ अधिकारियों द्वारा भविष्य निधि निकासी, पेंशन तथा समूह बीमा संबंधी दावों का 20 दिन के भीतर निपटान नहीं करने पर 12 प्रतिशत की दर से वार्षिक दंडात्मक ब्याज का सख्त प्रावधान किया है। नई योजनाओं में कहा गया, यदि आयुक्त बिना उचित कारण के सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बावजूद किसी दावे का 20 दिन के भीतर निपटान नहीं करते हैं, तो उक्त अवधि के बाद हुई देरी के लिए आयुक्त जिम्मेदार होंगे। लाभ राशि पर 12 प्रतिशत वार्षिक की दर से दंडात्मक ब्याज लगाया जा सकता है, जिसे आयुक्त के वेतन से काटा जाएगा।

कोयला ब्लॉक के लिए अब बीमा गारंटी बांड जमा करने की अनुमति

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सरकार ने कोयला ब्लॉक पाने वालों को प्रदर्शन बैंक गारंटी के विकल्प के तौर पर बीमा गारंटी बांड जमा करने की अनुमति दे दी है। इससे उन्हें अधिक वित्तीय लचीलापन मिलेगा और कारोबार सुगम होगा। इस कदम से पारंपरिक बैंक गारंटी व्यवस्था से जुड़ा वित्तीय बोझ कम होने की उम्मीद है और कोयला ब्लॉक पाने वाले अपनी पूंजी का इस्तेमाल खदान के विकास और परिचालन गतिविधियों के लिए अधिक बेहतर ढंग से कर सकेंगे। सरकार ने इस संबंध में कोयला ब्लॉक आवंटन नियमों में संशोधन किया है। बीमा गारंटी बांड एक त्रिपक्षीय वित्तीय गारंटी है जो यह सुनिश्चित करती है कि संबंधित इकाई अनुबंध के तहत दायित्वों को पूरा करेगी। यदि मूल इकाई कार्य पूरा करने या नियमों का पालन करने में विफल रहती है, तो बीमा गारंटी देने वाली कंपनी परियोजना का स्वामित्व रखने वालों को क्षतिपूर्ति देती है।



- सरकार ने कोयला ब्लॉक आवंटन नियमों में किया संशोधन
- अधिक वित्तीय लचीलापन मिलेगा व कारोबार सुगम होगा

बैंक गारंटी को बीमा गारंटी में बदल सकते हैं

संशोधित रूपरेखा मौजूदा आवंटन पाने वालों की भी यह लचीलापन देती है। इससे वे तय शर्तों के अनुसार पहले से जमा प्रदर्शन बैंक गारंटी को बीमा गारंटी बांड से बदल सकते हैं। मंत्रालय ने कहा, "बीमा गारंटी बांड की सुविधा शुरू में खान एवं खनिज (विकास एवं निर्यात) अधिनियम के तहत आवंटित कोयला ब्लॉक के लिए शुरू की जाएगी।

सरकार ने चालू वित्त वर्ष में विनिवेश की रफ्तार तेज की

विनिवेश ने पकड़ी रफ्तार, पहली तिमाही में बजट लक्ष्य का 31 प्रतिशत राजस्व जुटाया

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सरकार ने चालू वित्त वर्ष में विनिवेश और परिसंपत्ति मौद्रिकरण की रफ्तार तेज कर दी है और पहली तिमाही में ही समूचे वित्त वर्ष के बजट लक्ष्य का करीब 31 प्रतिशत जुटा लिया है। यह किसी भी वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विनिवेश प्रक्रिया की अब तक की सबसे तेज प्रगति मानी जा रही है।

सरकार मई के मध्य से जून के बीच लगभग हर सप्ताह सार्वजनिक क्षेत्र की एक कंपनी (पीएसयू) में हिस्सेदारी बेचने के लिए बिक्री पेशकश (ओएफएस) लेकर आई। इस दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के छह प्रतिष्ठानों में हिस्सेदारी बेचकर सरकार ने कुल 18,561 करोड़ रुपये जुटाए।

इनविट के जरिए 6,367 करोड़ प्राप्त हुए

यह हिस्सेदारी बिक्री सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, कोल इंडिया, एनएचपीसी, एनएलसी इंडिया, जीआईसी और आईआरएफसी में की गई। इसके अलावा, अवसरचत्ताना निवेश ट्रस्ट (इनविट) के जरिये परिसंपत्तियों को बाजार पर वदावे में भी 6,367 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। इस तरह विनिवेश एवं मौद्रिकरण के जरिये अब तक कुल 24,928 करोड़ रुपये जुटाए जा चुके हैं, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में इसके लिए 80,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया है।

विनिवेश प्रक्रिया की अब तक की सबसे तेज प्रगति मानी जा रही

मई के मध्य से जून के बीच हर सप्ताह एक ओएफएस लेकर आई

छह पीएसयू में हिस्सेदारी बेचकर कुल 18,561 करोड़ रुपए जुटाए

अल नीनो का मानसून पर असर पड़ने की चिंता

दूसरी ओर, राजस्व और पूंजीगत व्यय क्रमशः 15.3 प्रतिशत और 20.5 प्रतिशत रहा। सरकार के सामने उर्वरक सब्सिडी के लगभग दोगुना होकर तीन लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने और कच्चे तेल के आयात बिल बढ़ने की चुनौती है। साथ ही, अल नीनो प्रभाव के कारण मानसून पर पड़ने वाले असर की भी चिंता है। ऐसे में 4.3 प्रतिशत राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल करने के लिए विनिवेश और परिसंपत्ति मौद्रिकरण से होने वाली आय अहम भूमिका निभाएगी

सरकार ने एलआईसी में 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची

इससे पहले मई, 2022 में सरकार ने एलआईसी में 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 20,500 करोड़ रुपये जुटाए थे। इसके अलावा आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश पर भी काम जारी है। इस दिशा में पहला प्रयास नाकाम रहने के बावजूद सरकार नई बोलियां आमंत्रित कर इस प्रक्रिया को तेज करने की तैयारी में है। विनिवेश के मोर्चे पर सरकार की यह सक्रियता बढ़ते राजकोषीय दबाव के बीच सामने आई है।

सरकार ने तैयार की विनिवेश की रूपरेखा

सरकार ने आगे भी सार्वजनिक क्षेत्र की कई कंपनियों के विनिवेश की रूपरेखा तैयार कर ली है और उम्मीद है कि वह तय लक्ष्य को पार कर सकती है। इस साल का सबसे बड़ा विनिवेश भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में हो सकता है। सरकार की एलआईसी में हिस्सेदारी 96.5 प्रतिशत है, जिसे मई, 2027 तक घटकर 90 प्रतिशत करना अनिवार्य है।

रुपया 18 पैसे की गिरावट के साथ 95.34 प्रति डॉलर

मुंबई। रुपया बुधस्पातिवार को अपनी शुरुआती बढ़त बरकरार नहीं रख सका और 18 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.34 (अस्थायी) पर रहा। हेंजिंग करने वालों की मजबूत डॉलर मांग भारी पड़ गई। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण अमेरिकी डॉलर में आई रात भर की कमी से भारतीय रुपया बढ़त के साथ खुला। हालांकि, एफआईआई की निकासी और हेंजिंग करने वालों की ओर से डॉलर की मांग के कारण रुपया अपनी शुरुआती बढ़त गंवा बैठा।



आईटी शेयरों में खरीदारी से बाजार में दूसरे दिन तेजी

एजेंसी ►► मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन तेजी जारी रही और दोनों मानक सूचकांक लाभ में रहे। कच्चे तेल के दाम में गिरावट, वैश्विक स्तर पर सकरात्मक घटनाक्रमों और आईटी कंपनियों के शेयरों में लिक्विडिटी से बीएसई सेंसेक्स 579 अंक चढ़ा जबकि एनएसई निफ्टी में 170 अंक की तेजी रही।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 579.48 अंक बढ़कर 77,502.12 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 656.29 अंक चढ़कर 77,578.93 अंक पर पहुंच गया था। निफ्टी 169.85 अंक की तेजी के साथ 24,175.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में इन्फोसिस 5.64 प्रतिशत चढ़ा। इसके बाद क्रमशः टेक महिंद्रा (4.32 प्रतिशत), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (4.28 प्रतिशत) और एचसीएल टेक (4.12 प्रतिशत) का स्थान रहा। बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन और आईसीआईसीआई बैंक में भी तेजी रही। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में लार्सन एंड टुब्रो, भारति सुजुकी इंडिया, एक्सिस बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.94 प्रतिशत चढ़ा, जबकि बीएसई स्मॉलकैप 0.68 प्रतिशत के लाभ में रहा।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.45 प्रतिशत टूटकर 70.53 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।



- सेंसेक्स 579 अंक चढ़ा, निफ्टी में 170 अंक की तेजी

डॉलर के कमजोर होने से सोना-चांदी मजबूत

एजेंसी ►► नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमतों में 3,000 रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के रुझान और डॉलर के कमजोर होने के कारण सोने की मांग में तेजी आई।

- सोना 3,000 रुपए चढ़ा, चांदी 5,000 रुपए मजबूत
- सोना बढ़कर हुआ 1.47 लाख रुपए प्रति दस ग्राम

स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, दो दिन की गिरावट के बाद, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार के 1,44,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से 3,000 रुपये बढ़कर 1,47,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। चांदी की कीमतों में लगातार तीसरे सत्र में तेजी जारी रही



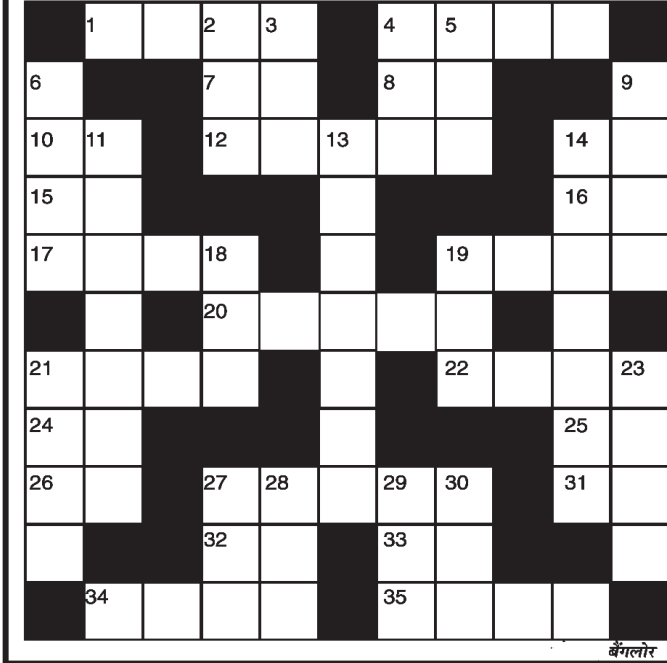
और यह 5,000 रुपये बढ़कर 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। पिछले सत्र में चांदी 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। व्यापारियों ने कहा कि विदेशी बाजारों में तेजी के बाद सोने की कीमतों में सुधार हुआ, जबकि औद्योगिक और निवेश मांग के कारण चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रही।

आईनॉक्स एनर्जी में किया अदार पूनावाला ने निवेश

नई दिल्ली। आईनॉक्स क्लीन एनर्जी लिमिटेड को अंदर पूनावाला फैमिली ऑफिस से 700 करोड़ रुपये का निवेश मिला है। आईनॉक्स क्लीन ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि इससे पहले कैलिफोर्निया पब्लिक एम्प्लॉईज रिटायरमेंट सिस्टम ने वित्त पोषण के पिछले दौर में करीब 800 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

उत्तर देखें				
इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई-प्रणाली के अंतर्गत मद्यों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण				
टेंडर नोटिस संख्या: 61265655A				
भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे जगधारी वर्कशॉप-135002, द्वारा फर्मों को निम्नलिखित मद्यों के लिए ई-निविदाओं के माध्यम से आमंत्रित किया जाता है :-				
क्र.सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	बंद होने की तिथि
1.	61265655A	सप्लाई, इंस्टालेशन एंड कमीशनिंग ऑफ पावर ट्रांसफार्मर	1 नग	27 जुलाई, 2026
निविदा शर्तें-1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।				
2268/26			ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ	

शब्द पहेली - 6275



बाएँ से दाए-

1. एक असुर जिसे शिव ने वरदान दिया था -4
4. दान देने वाला-4
7. सवारी गाड़ी-2
8. संख्या, रत्न-2
10. जाप, मंत्र पाठ-2
12. आक्रमणकारी-5
14. अपशिष्ट पदार्थ-2
15. दिन, प्रहार-2
16. भीगा हुआ-2
17. शिशु, पैदा हुआ बच्चा-4
19. कीमती-4
20. आलसी, निष्ठाहीन-5
21. जिसे दीक्षा नहीं दी गई हो-5
22. गारंटी, मुचलका-4
24. रिश्तेदार-2
25. शेर, नाहर-2

26. पिटाई, चोट-2

27. निम्नता, न्यूनता-5
31. परिणाम, निष्कर्ष-2
32. महेंद्रसिंह धोनी को इस नाम से भी जानते हैं-2
33. मूल, कंद-2
34. उदाहरणार्थ-4
35. पितृपक्ष-4

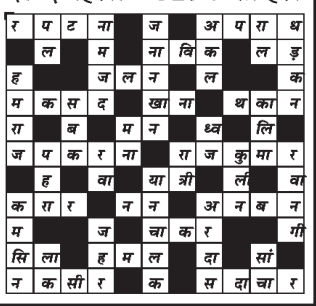
ऊपर से नीचे

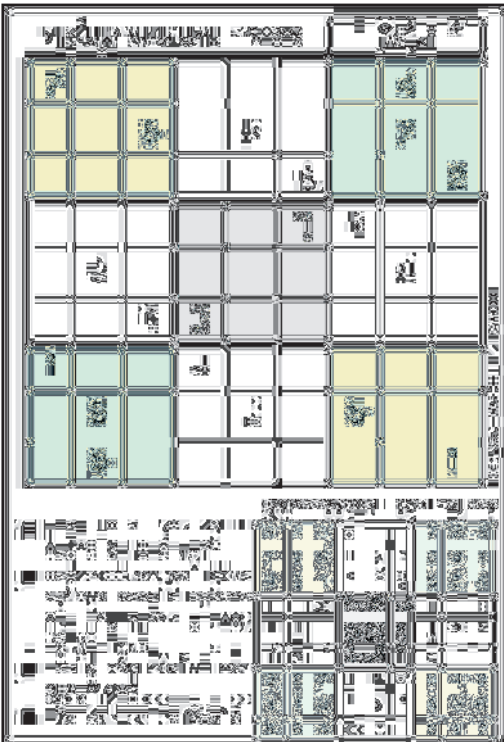
2. सवेरा, भोर-3
3. सांभर जैसा आहार -3
4. दैत्य, असुर-3
5. शहर-3
6. तरुण, जवान-4
9. एक महीन व कीमती कपड़ा-4
11. ईश्वर, रब-7
13. डांट, फटकार, भर्त्सना -3,4
14. भारत के पुर्व

प्रधानमंत्री-5, 2

18. अधीन-3
19. निवेदन, प्रार्थना-3
21. असमत्तल-4
23. धमाका, सनसनी-4
27. करिश्मा-3
28. बारीक-3
29. कपड़े धोनेवाला-3
30. पिटाई करना, भांपना-3

शब्द पहेली - 6274 का हल





चिंतन

बड़े बदलाव की ओर बढ़ रहे भारत-जापान संबंध

इंडो-पैसिफिक में अमेरिका की घटती रुचि और एक तरह से चीन को क्षेत्र की महाशक्ति के रूप में स्वीकार करने के बाद भारत और जापान के लिए जरूरी हो गया है कि वे इस क्षेत्र में अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची की संयुक्त आर्थिक मंच में मौजूदगी इस बात का प्रतीक है कि दोनों देश केवल वर्तमान की चुनौतियों का समाधान नहीं खोज रहे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, समृद्ध और तकनीक-संचालित एशिया की नींव रखने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही भारत-जापान संबंधों का अगला चरण केवल सरकारी समझौतों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। दोनों देशों को निजी क्षेत्र, स्टार्टअप, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के बीच भी गहरे सहयोग को बढ़ावा देना होगा। जापान रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर, प्रिंसिजन मैन्युफैक्चरिंग और हरित प्रौद्योगिकी में विश्व अग्रणी है, जबकि भारत डिजिटल नवाचार, सॉफ्टवेयर, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप इकोसिस्टम में तेजी से उभरती शक्ति है। यदि इन दोनों की क्षमताओं का समन्वय होता है तो यह केवल दोनों अर्थव्यवस्थाओं को ही नहीं, बल्कि पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को नई दिशा दे सकता है। विशेष रूप से सेमीकंडक्टर निर्माण, दुर्गम खनिजों (रेयर अर्थ) की आपूर्ति, इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी, हरित हाइड्रोजन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में संयुक्त निवेश भविष्य की औद्योगिक प्रतिस्पर्धा तय करेगा। भारत को अपनी उत्पादन क्षमता और कुशल मानव संसाधन के कारण नेक्स्ट मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में देखा जा रहा है, जबकि जापान की तकनीकी विश्वसनीयता इस परिवर्तन को गति दे सकती है। ऐसे में दोनों देशों की साझेदारी वैश्विक कंपनियों के लिए चीन के विकल्प के रूप में एक मजबूत और विश्वसनीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार कर सकती है। साथ ही, दोनों देशों को लोगों के बीच संपर्क को भी प्राथमिकता देनी होगी। भारतीय छात्रों, इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए जापान में अवसर बढ़ रहे हैं। दूसरी ओर जापानी कंपनियों को भारत के युवा और कुशल कार्यबल से लाभ मिल सकता है। आज दुनिया एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहां मित्रता का मूल्य केवल कूटनीतिक बयानों से नहीं, बल्कि साझा निवेश, साझा तकनीक और साझा भविष्य से तय होगा। भारत और जापान इसी दिशा में आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। यदि यह सहयोग योजनाओं से निकलकर समयबद्ध क्रियान्वयन तक पहुंचता है, तो आने वाले दशक में भारत-जापान संबंध केवल द्विपक्षीय सफलता की कहानी नहीं होंगे, बल्कि वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक व्यवस्था के सबसे प्रभावशाली स्तंभों में शामिल होंगे। यह साझेदारी वास्तव में विश्वास से विकास और साझेदारी से समृद्धि का ऐसा मॉडल बन सकती है, जिसकी आवश्यकता आज पूरे विश्व को है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अस्थिर रवैये ने दुनियाभर में उसकी स्थिति को कमजोर किया है। ईरान युद्ध के बाद खाड़ी देश अपनी सुरक्षा नीति पर पुनर्विचार कर रहे हैं। पूरी दुनिया के रिश्ते एक नए मोड़ पर खड़े हैं। इससे नई साझेदारियां बनेंगी और पुरानी साझेदारियां नया रूप लेंगी। ऐसे में भारत-जापान संबंध भी ऐतिहासिक बदलाव की ओर बढ़ रहे हैं और आने वाले समय में यह दुनिया में नए बदलाव का जरिया भी बन सकते हैं। कुल मिलाकर अब दुनिया बहुदुर्घवीय हो चुकी है और सबको एक-दूसरे की जरूरत है। मिलकर चलना ही सबके हित में है।

मुद्दा
ओ.पी. पाल



क्या कागजों पर सिमट रही हैं ग्राम सभाएं

भारत की आत्मा गांवों में बसती है और उन गांवों की लोकतांत्रिक आत्मा 'ग्राम सभा' में निहित है। भारतीय संविधान के 73वें संशोधन ने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर सत्ता के विकेंद्रीकरण की जो नींव रखी थी, उसकी सबसे महत्वपूर्ण और प्रत्यक्ष इकाई ग्राम सभा ही है। ग्राम सभा केवल स्थानीय शासन की एक संस्था नहीं है, बल्कि यह देश के हर ग्रामीण नागरिक को सीधे नीति-निर्माण, बजट निर्धारण और विकास कार्यों की निगरानी का अधिकार देने वाला एक शसक्त मंच है। परंतु समय के साथ इस बुनियादी लोकतांत्रिक संस्था की कार्यप्रणाली में कई विसंगतियां और चुनौतियां सामने आई हैं। इनमें सबसे बड़ी और चिंताजनक चुनौती यही है कि आज के इस तकनीकी युग के बावजूद ग्राम सभा की बैठकों में आम नागरिकों की भागीदारी घट रही है। मसलन, केंद्र सरकार और नीति आयोग की जारी ताजा रिपोर्ट ने जमीनी लोकतंत्र की बुनियाद मजबूत करने की चुनौती खड़ी कर दी है। हालांकि यह अध्ययन भारत की ग्रामीण विकास नीतियों को 'संख्या-केंद्रित' से 'परिणाम-केंद्रित' बनाने का एक बेहद सटीक मार्गदर्शक दस्तावेज साबित हो सकता है। दरअसल, देश में जमीनी लोकतंत्र की इसी गंभीर समस्या का बारीकी से अध्ययन करने और इसका समाधान खोजने के लिए केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय के तत्वावधान में एक व्यापक राष्ट्रीय अध्ययन कराया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद द्वारा तैयार की गई यह द्वि-खंडीय रिपोर्ट देश में नागरिक-केंद्रित शासन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक और साक्ष्य-आधारित दस्तावेज है। जैसा कि रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि नागरिक-केंद्रित शासन देने के लिए जीवंत ग्राम सभाएं अनिवार्य हैं। जब तक देश के गांवों का अंतिम व्यक्ति ग्राम सभा की बैठक शामिल होकर अपने गांव के भविष्य का फैसला करने में सक्षम और उत्सुक नहीं होगा, तब तक लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का सपना अधूरा रहेगा। इस अध्ययन रिपोर्ट की 30 जून 2026 को नई दिल्ली में नीति आयोग के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम और पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज द्वारा इस जारी किया, जिसमें जमीनी लोकतंत्र की कमजोर होती नींव और उसकी चुनौतियों को लेकर चौकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। भागीदारी में सबसे बड़ी बाधाएं ग्राम सभाओं में लोगों का न आना केवल उदासीनता नहीं, बल्कि इसके पीछे गहरे सामाजिक-आर्थिक और व्यावहारिक कारण हैं। इसमें आजीविका और समय के संकट के कारण 55.5 प्रतिशत भागीदारी न होने का सबसे बड़ा कारण है, इसमें ग्रामीण आबादी का एक बड़ा हिस्सा दैनिक मजदूरी या कृषि पर निर्भर है। जबकि व्यस्त कार्य दिनचर्या (41.74 प्रतिशत) और कृषि कार्यों की व्यस्तता (30.26 प्रतिशत) के कारण लोग अपनी दिहाड़ी छोड़कर बैठकों में नहीं आ पाते। इसके अलावा कम प्रतिनिधित्व वाले समूह को लेकर खुलासा हुआ है कि प्रवासी परिवार (17.61 प्रतिशत), युवा (16.73 प्रतिशत), बुजुर्ग (15.80 प्रतिशत) और महिलाएं (13.40 प्रतिशत) ग्राम सभा की प्रक्रियाओं में सबसे कम शामिल हो पाते हैं। पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज का कथन है कि ग्रामीण भारत में आए बदलावों को रेखांकित करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में गांवों तक बुनियादी सुविधाओं की सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित हुई है। अब बारी जमीनी लोकतंत्र को और गहरा करने की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यह अध्ययन महिलाओं, युवाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों की भागीदारी बढ़ाने के लिए रणनीतिक कदम उठाने में मील का पत्थर साबित होगा। मंत्रालय जल्द ही राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ मिलकर इस रिपोर्ट की सिफारिशों को जमीन पर लागू करेगा, ताकि देश की ग्राम सभाएं अधिक समावेशी और परिणामोन्मुख बन सकें। इस अध्ययन रिपोर्ट से एक बड़ा संदेश यह भी मिलता है कि ग्राम सभाओं को सफल बनाने का पैमाना केवल 'बैठक में जुटी भीड़' या 'हाजिर रजिस्टर' नहीं होना चाहिए। वास्तविक सफलता इस बात में है कि चर्चाएं कितनी प्रासंगिक हैं, निर्णय कितने पारदर्शी हैं और शिकायतों का निवारण कितनी तेजी से होता है। जब तक ग्रामीण नागरिकों को ग्राम सभा के निर्णयों का जमीन पर वास्तविक असर नहीं दिखेगा, तब तक उनका भरोसा जीतना नामुमकिन है। ग्राम सभा को विकास कार्यों के सोशल ऑडिट का वास्तविक अधिकार मिलना चाहिए। पंचायत प्रतिनिधियों (विशेषकर महिला सरपंचों और वार्ड सदस्यों) के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए भी क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालए जाने चाहिए ताकि वे ग्राम सभा की प्रक्रियाओं को बेहतर समझ सकें

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



पड़ोस

कांतिलाल मांडोट

भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की चर्चा एक बार फिर तेज हो गई है। दोनों देशों की 117 प्रमुख हस्तियों द्वारा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेजे गए खुले पत्र ने इस बहस को नया आयाम दिया है। पत्र में संवाद बहाल करने, व्यापार शुरू करने, वीजा व्यवस्था आसान बनाने, समझौता एक्सप्रेस और थार एक्सप्रेस को फिर से चलाने, क्रिकेट शृंखला शुरू करने तथा दोनों देशों के बीच जमे अविश्वास को समाप्त करने की अपील की गई है। पहली नजर में यह पहल शांति और सद्भाव की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास प्रतीत होती है, लेकिन जब भारत-पाकिस्तान संबंधों के इतिहास, पाकिस्तान के व्यवहार और वर्तमान वैश्विक राजनीति को ध्यान में रखकर इस प्रस्ताव का विश्लेषण किया जाता है, तब कई गंभीर प्रश्न सामने खड़े हो जाते हैं।

भारत ने हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंधों की नीति अपनाई है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने अनेक अवसरों पर पाकिस्तान के साथ मित्रता का हाथ बढ़ाया। चाहे 1972 का शिमला समझौता हो, 1999 को लाहौर बस यात्रा हो या फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्ष 2015 में अचानक लाहौर जाकर तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से मिलना, भारत ने हर बार यह संदेश दिया कि विवादों का समाधान युद्ध नहीं बल्कि संवाद से होना चाहिए। दुर्भाग्य यह रहा कि हर बार पाकिस्तान की धरती से आतंकवाद ने इन प्रयासों को कमजोर किया। पाक का इतिहास यह बताता है कि उसने मित्रता के हर प्रयास के समानांतर आतंकवाद को अपनी विदेश नीति का साधन बनाए रखा। 1947, 1965, 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध से लेकर संसद पर हमला, मुंबई का 26/11 हमला, पठानकोट, उरी और पुलवामा जैसे आतंकी हमलों तक पाकिस्तान की भूमिका लगातार सवालालो के घेरे में रही है। भारत ने कई बार ठोस सबूत भी प्रस्तुत किए, लेकिन पाकिस्तान ने या तो उन्हें नकार दिया या फिर आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने से बचता रहा। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि भारत किसी भी नए संवाद प्रस्ताव को केवल भावनात्मक आधार पर स्वीकार नहीं कर सकता। वर्तमान परिस्थितियों में पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर है। मंहंगई, बेरोजगारी, विदेशी कर्ज और ऊर्जा संकट ने वहां की अर्थव्यवस्था को गंभीर संकट में डाल दिया है। हाल के वर्षों में जल संकट भी पाकिस्तान के लिए बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। ऐसी परिस्थितियों में पाकिस्तान के लिए भारत के साथ व्यापार और संबंधों की बहाली आर्थिक दृष्टि से लाभकारी हो सकती है।

जीवन का प्रथम अनुबंध किसको माना है

अनुबंध चतुष्टय में ‘अधिकारी’ को प्रथम अनुबंध स्वीकार किया गया है। मानव की आध्यात्मिक और लौकिक यात्रा के निर्विघ्न संचालन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। लोक में इसके लिए योग्यता या पात्रता पद का प्रयोग होता है, जिसका तात्पर्य है, किसी कार्य के निष्पादनार्थ पात्रता प्राप्त करना। सामान्यतः प्रत्येक कार्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति पात्र नहीं होता। इसलिए अनधिकारी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य सफल और लोकमंगलकारी हो, यह आवश्यक नहीं, परंतु अधिकारी (पात्र) व्यक्ति द्वारा किया गया प्रत्येक कार्य सफल भी होता है और लोकमंगलकारी भी। इसलिए अधिकारी आत्मिक और जागतिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाला मानव जीवन का प्रथम अनुबंध है। इसीलिए इसे शास्त्रों में विशेष महत्व दिया गया है। वेदांत में अधिकारी को परिभाषित करते हुए कहा गया-जिसने विधिवत ज्ञान प्राप्त कर काय्य एवं निषिद्ध कर्मों का परित्याग कर दिया है। नित्य, नैमित्तिक और आपसानादि कर्म करने से जिसकी बुद्धि परिष्कृत और अंतःकरण निर्मल हो चुका है, ऐसा पापरहित व्यक्ति ही विशिष्ट ज्ञान का अधिकारी है। विश्वामित्र आदि ऋषियों ने अधिकारी समझकर ही राम को विविध आयुध प्रदान किए, जिससे उनका दुरुपयोग न हो सके। जैसे अधिकारी व्यक्ति का ज्ञान लोकमंगल के लिए होता है, उसी प्रकार अधिकारी को प्रदान की गई शक्तियां समाज, देश और मानवता की रक्षा के लिए होती हैं। जब भी अनधिकारी को शक्तियां प्रदान की गई हैं, उनका दुरुपयोग ही हुआ है।



करंट अफेयर

ऑस्ट्रेलिया में राष्ट्रीय किराया वहनीयता योजना समाप्त

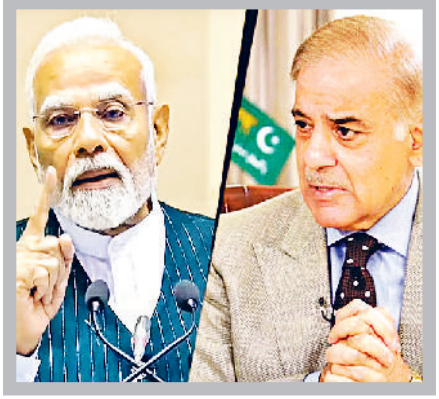
ऑस्ट्रेलिया का वित्तीय वर्ष एक जुलाई को समाप्त हो गया और इसी के साथ ‘राष्ट्रीय किराया वहनीयता योजना’ भी समाप्त हो गई, जिसके तहत देश भर में 35,000 से ज्यादा किफायती किराए के घर उपलब्ध कराए गए थे। यह योजना 2008 में रड सरकार ने घरों के महंगे होते जाने की समस्या के मद्देनजर शुरू की थी। लेकिन बाद में 2014 में एबॉट सरकार ने इस को बंद कर दिया और 2016 के बाद किसी भी नए घर को इसके तहत मंजूरी नहीं दी गई। इस जून में, आखिरी 3,600 संपत्तियां भी इस योजना के दायरे से बाहर हो गई हैं। आखिरकार, इस योजना ने अपने कुछ मुख्य वारे पूरे किए। इसने काफी कम समय में किफायती किराए के घरों की आपूर्ति बढ़ाई और ऐसे घर बनाए जो इसके बिना नहीं बन पाते। लेकिन इसके आलोचक भी रहे हैं, जिन्होंने इसे लागू करने के तरीके और इसके नतीजों में कई कमियां गिनाईं हैं, तो, पीछे मुड़कर देखें तो इस अनुभव से हम क्या सीख सकते हैं? और क्या सरकार ने इस योजना के बंद होने से आई रिवतता को दूर करने के लिए कोई कदम उठाया है? हाशिये पर रह रहे समूह के लिए सस्ता किराया इस योजना के तहत डेवलपर्स को किफायती किराये के घर उपलब्ध कराने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन दिया गया।

पाक से रिश्तों की बहाली की नई कवायद

भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की चर्चा एक बार फिर तेज हो गई है। दोनों देशों की 117 प्रमुख हस्तियों द्वारा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेजे गए खुले पत्र ने इस बहस को नया आयाम दिया है। पत्र में संवाद बहाल करने, व्यापार शुरू करने, वीजा व्यवस्था आसान बनाने, समझौता एक्सप्रेस और थार एक्सप्रेस को फिर से चलाने, क्रिकेट शृंखला शुरू करने तथा दोनों देशों के बीच जमे अविश्वास को समाप्त करने की अपील की गई है। पहली नजर में यह पहल शांति और सद्भाव की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास प्रतीत होती है, लेकिन जब भारत-पाकिस्तान संबंधों के इतिहास, पाकिस्तान के व्यवहार और वर्तमान वैश्विक राजनीति को ध्यान में रखकर इस प्रस्ताव का विश्लेषण किया जाता है, तब कई गंभीर प्रश्न सामने खड़े हो जाते हैं।

भारत ने हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंधों की नीति अपनाई है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने अनेक अवसरों पर पाकिस्तान के साथ मित्रता का हाथ बढ़ाया। चाहे 1972 का शिमला समझौता हो, 1999 को लाहौर बस यात्रा हो या फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्ष 2015 में अचानक लाहौर जाकर तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से मिलना, भारत ने हर बार यह संदेश दिया कि विवादों का समाधान युद्ध नहीं बल्कि संवाद से होना चाहिए। दुर्भाग्य यह रहा कि हर बार पाकिस्तान की धरती से आतंकवाद ने इन प्रयासों को कमजोर किया। पाक का इतिहास यह बताता है कि उसने मित्रता के हर प्रयास के समानांतर आतंकवाद को अपनी विदेश नीति का साधन बनाए रखा। 1947, 1965, 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध से लेकर संसद पर हमला, मुंबई का 26/11 हमला, पठानकोट, उरी और पुलवामा जैसे आतंकी हमलों तक पाकिस्तान की भूमिका लगातार सवालालो के घेरे में रही है। भारत ने कई बार ठोस सबूत भी प्रस्तुत किए, लेकिन पाकिस्तान ने या तो उन्हें नकार दिया या फिर आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने से बचता रहा। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि भारत किसी भी नए संवाद प्रस्ताव को केवल भावनात्मक आधार पर स्वीकार नहीं कर सकता। वर्तमान परिस्थितियों में पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर है। मंहंगई, बेरोजगारी, विदेशी कर्ज और ऊर्जा संकट ने वहां की अर्थव्यवस्था को गंभीर संकट में डाल दिया है। हाल के वर्षों में जल संकट भी पाकिस्तान के लिए बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। ऐसी परिस्थितियों में पाकिस्तान के लिए भारत के साथ व्यापार और संबंधों की बहाली आर्थिक दृष्टि से लाभकारी हो सकती है।

लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि आर्थिक मजबूरी का अर्थ यह नहीं कि पाकिस्तान की नीतियों में स्थायी परिवर्तन आ गया है। यदि आतंकवाद को समर्थन देने की उसकी सोच में बदलाव नहीं आता तो केवल व्यापार या परिवहन सेवाएं शुरू कर देने से स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। इस पूरे घटनाक्रम में अमेरिका और विशेष रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कोई भी महाशक्ति केवल मानवीय आधार पर हस्तक्षेप नहीं करती। हर देश अपने रणनीतिक हितों को प्राथमिकता देता है। अमेरिका लंबे समय से यह चाहता



रहा है कि पाकिस्तान पूरी तरह चीन के प्रभाव क्षेत्र में न चला जाए। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा और दोनों देशों की बढ़ती सामरिक साझेदारी अमेरिका के लिए चिंता का विषय रही है। ऐसे में यदि अमेरिका भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद को बढ़ावा देता है तो उसके पीछे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन बनाए रखने और पाकिस्तान को अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखने की रणनीति भी हो सकती है। ट्रम्प यदि भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों की बहाली का श्रेय लेना चाहते हैं तो यह उनकी राजनीतिक और रणनीतिक सोच का हिस्सा हो सकता है। लेकिन भारत को किसी भी बाहरी दबाव या अंतरराष्ट्रीय छवि के कारण अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करना चाहिए। भारत की विदेश नीति का मूल सिद्धांत यही रहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है। यदि पाकिस्तान आतंकवाद के ढांचे को समाप्त करने, सीमा पार घुसपैठ रोकने और भारत विरोधी गतिविधियों पर पूर्ण विराम लगाने के लिए ठोस और विश्वसनीय कदम नहीं उठाता, तो केवल वार्ता के नाम पर आगे बढ़ना उचित नहीं होगा। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न विश्वास का है। विश्वास केवल शब्दों से नहीं बल्कि

व्यवहार से बनता है। पाकिस्तान ने अतीत में अनेक बार आश्वासन दिए, लेकिन उसके बाद भी आतंकी घटनाएं होती रहीं। जब तक वह अपने आसंकरण से यह साबित नहीं करता कि उसने आतंकवाद को स्थायी रूप से त्याग दिया है, तब तक किसी भी व्यापक संबंध बहाली का आधार कमजोर ही रहेगा। कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि दोनों देशों के बीच व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क बढ़ने से कट्टरता कम होगी और शांति को मजबूती मिलेगी। यह विचार सिद्धांत रूप में आकर्षक लगता है, लेकिन व्यवहार में इसकी सफलता तभी संभव है, जब दोनों पक्ष समान इमानदारी के साथ आगे बढ़ें। यदि एक देश शांति की बात करे और दूसरा आतंकवाद को संरक्षण देता रहे तो ऐसे प्रयास अंततः विफल हो जाते हैं। इसलिए भारत को किसी भी नई पहल से पहले स्पष्ट शर्तें रखनी चाहिए कि आतंकवाद और वार्ता साथ-साथ नहीं चल सकते। भारत ने हमेशा मानवीय मुद्दों पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया है। चाहे कैदियों की रिहाई का विषय हो, धार्मिक यात्राओं की सुविधा हो या प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता का प्रश्न, भारत ने उदारता दिखाई है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर किसी प्रकार की हिलाई उचित नहीं हो सकती। भारत आज विश्व की तेजी से उभरती हुई आर्थिक और सामरिक शक्ति है।

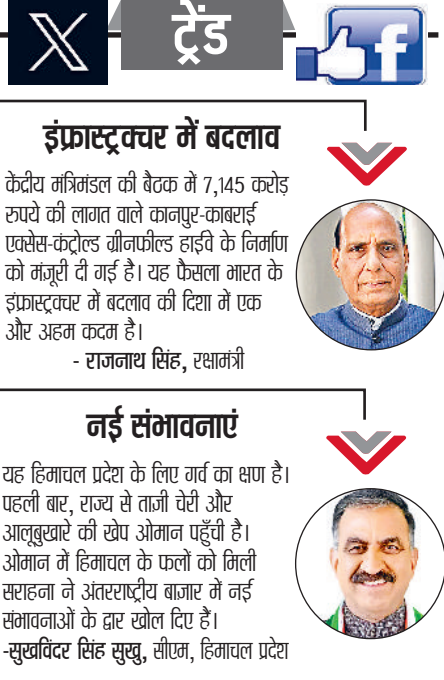
ऐसे समय में उसे भावनात्मक निर्णयों के बजाय दूरदर्शी और यथार्थवादी नीति अपनानी होगी। यदि पाकिस्तान वास्तव में संबंध सुधारना चाहता है तो उसे केवल संवाद की अपील करने के बजाय आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई करके अपनी नीयत साबित करनी होगी। यही वह कसौटी है जिस पर भविष्य के किसी भी संबंध की सफलता निर्भर करेगी। अंततः भारत शांति का समर्थक है, लेकिन शांति की कीमत राष्ट्रीय सुरक्षा नहीं हो सकती। मित्रता वहीं टिकाऊ होती है जहां विश्वास, पारदर्शिता और इमानदारी हो। पाकिस्तान का अब तक का इतिहास इन तीनों मानकों पर संतोषजनक नहीं रहा। इसलिए भारत को हर प्रस्ताव का स्वागत खुले मन से अवश्य करना चाहिए, लेकिन निर्णय केवल अपने राष्ट्रीय हितों, सुरक्षा और दीर्घकालिक रणनीतिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर ही लेना चाहिए। यदि पाकिस्तान अपने व्यवहार में वास्तविक परिवर्तन लाता है तो दक्षिण एशिया में स्थायी शांति का मार्ग अवश्य प्रशस्त हो सकता है। यदि अतीत की गलतियां दोहराई जाती हैं तो इतिहास एक बार फिर यह सिद्ध करेगा कि केवल संवाद को इच्छा पर्याप्त नहीं होती, उसके लिए भरोसेमंद आचरण भी उतना ही आवश्यक होता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

स्वयं के धर्म की चिंता

एक आदमी तालाब के किनारे बैठ कर कुछ सोच रहा था। तभी उसने पानी में किसी के डूबने की आवाज सुनी और उसने तालाब की तरफ देखा तो उसे एक बिच्छू तालाब में डूबता दिखाई दिया। अचानक ही वह आदमी उठा और तालाब में कूद गया। उस बिच्छू को बचाने के लिए उसने उसे पकड़ लिया और तालाब के बाहर लाने लगा। इससे घबराकर बिच्छू ने उस आदमी को डंक मारा। आदमी का हाथ खून से भर गया वो जोर-जोर से चिल्लाने लगा, उसका हाथ खुल गया और बिच्छू फिर पानी में गिर गया। आदमी फिर उसके पीछे गया। उसने बिच्छू को पकड़ा। लेकिन बिच्छू ने फिर से उसे काट लिया। यह बार-बार होता रहा। यह पूरी घटना दूर बैठा एक आदमी देख रहा था। वो उस आदमी के पास आया और बोला - अरे भाई ! वह बिच्छू तुम्हे बार-बार काट रहा है। तुम उसे बचाना चाहते हो, वो तुम्हे ही डंक मार रहा है। तुम उसे जाने क्यों नहीं देते? मर रहा है अपनी मौत, तुम क्यों अपना खून बहा रहे हो? तब उस आदमी ने उत्तर दिया - भाई ! डंक मरना तो बिच्छू की प्रकृति है। वह वही कर रहा है लेकिन मैं एक मनुष्य हूँ, और मेरा धर्म है दूसरों की सेवा करना और मुसीबत में उनका साथ देना। अतः बिच्छू अपना धर्म निभा रहा है और मैं मेरा।



वैबीपी अपनी सत्ता का गलत इस्तेमाल करके बीजेपी-शासित राज्यों, खासकर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का खराब माहौल बना रही है और पुलिस का राजनीतिकरण कर रही है। जनता इस नकाशालंक व्यवहार से बेहद आक्रोशित है। -**अखिलेश यादव**, सांसद, सपा

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

नजीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001
फोन- 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

रुस का कीव पर हमला 20 की मौत, 90 घायल
कीव। रुस ने गुरुवार की सुबह यूक्रेन की राजधानी पर मिसाइलों और ड्रोन से बड़े पैमाने पर हमला किया। इसके कारण भीषण विस्फोट हुए। कीव शहर के सैन्य प्रशासन प्रमुख तैमूर टकाचेंको ने बताया कि हमलों में आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे बच्चों समेत बड़ी संख्या में नागरिक प्रभावित हुए और कई इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा। हमले में 20 लोगों की मौत हो गई और 90 लोग घायल हो गए। बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों तथा ड्रोन से हुए हमले ने नीप्रो नदी के दोनों किनारों पर स्थित शहर के सभी 10 जिलों को प्रभावित किया।

थाई भिक्षुओं के समूह को कुचला, 9 की मौत
बैंकॉक। थाईलैंड के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में एक पिकअप ट्रक चला रहे 11 वर्षीय लड़के ने तीर्थयात्रा पर जा रहे भिक्षुओं के समूह को कुचल दिया। इस दुर्घटना में नौ लोगों की मौत हो गई। मुकदहन प्रांत के कुल 35 भिक्षु तीर्थयात्रा पर निकले थे। मुकदहन के गवर्नर बोयथान बूननारत के अनुसार, पांच भिक्षुओं की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चार भिक्षुओं ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। 13 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से तीन भिक्षुओं की हालत गंभीर है। यह समूह उबोन रत्थाथानी प्रांत तक की 260 किमी लंबी पदयात्रा पर निकला था।

कर्नाटक उच्च न्यायालय का फैसला 52 आपराधिक मामले वापस लेने के फैसले पर लगाई रोक

एजेंसी ►► बेंगलुरु
कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को राज्य मंत्रिमंडल के उस फैसले पर रोक लगा दी जिसके तहत 52 आपराधिक मामलों में मुकदमा वापस लिया जाना था। इनमें 2022 के अलंद लाइले मशक दरगाह दंगे से जुड़े मामले भी शामिल हैं। मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरू और न्यायमूर्ति केएस हेमलेखा की पीठ ने प्रथम दृष्टया पाया कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमे वापस लेने के लिए राज्य द्वारा सीआरपीसी की धारा 321 का

बिस्किट खिलाने और सूंड पकड़ने पर भड़का हाथी

हरिभूमि न्यूज़ ►► छिंदवाड़ा
जिले के चौरई-गुरैया मार्ग पर गुरुवार को हाथी से आशीर्वाद लेने की कोशिश दो बाइक सवार युवकों को भारी पड़ गई। अचानक हाथी के उग्र होने से दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत चौरई अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, कोठे यादव निवासी प्रदीप कहार अपने साथी के साथ बाइक से जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में उन्हें अमरकंटक से उज्जैन महाकालेश्वर धाम की यात्रा पर निकले साधु-संतों और हाथियों

हाथी से आशीर्वाद लेना पड़ा भारी गजराज ने बाइक सवार दो युवकों को पटका... अस्पताल में भर्ती

हाथी से आशीर्वाद लेना पड़ा भारी गजराज ने बाइक सवार दो युवकों को पटका... अस्पताल में भर्ती

हाथी से आशीर्वाद लेना पड़ा भारी गजराज ने बाइक सवार दो युवकों को पटका... अस्पताल में भर्ती

हाथी से आशीर्वाद लेना पड़ा भारी गजराज ने बाइक सवार दो युवकों को पटका... अस्पताल में भर्ती

मानसून का रौद्र रूप : मुंबई, हिमाचल और जम्मू में आफत
मुंबई भारी बारिश से पानी-पानी सब अस्त-व्यस्त, सड़कें ‘जाम’



मुंबई। गाड़ी पर गिरा पेड़

एजेंसी ►► नई दिल्ली
भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के वरिष्ठ वैज्ञानिक नरेश यादव के मुताबिक मानसून जल्द ही पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और गुजरात के पश्चिमी तट के कुछ हिस्सों सहित अतिरिक्त क्षेत्रों को कवर करेगा। उन्होंने कहा कि 4-5 दिन में कोंकण क्षेत्र, गोवा और दक्षिण गुजरात में अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है और इन क्षेत्रों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। ओडिशा और मध्य भारत में भी बहुत भारी वर्षा के आसार हैं। मुंबई के कई हिस्सों में

मुंबई के मेनहोल में गिरे एक और शख्स की मौत
मुंबई में साकीनाका पुलिस स्टेशन के इलाके में खुले मेनहोल में एक वरिष्ठ शख्स गिर गया। एजेंसियां शव की तलाश में जुटी हैं। खेरानी रोड पर पानी की निकासी वाली ग्रील की मरम्मत का काम चल रहा था। 60 साल के असलम इसाक शेख नाम का एक पैदल यात्री गलती से खुले पड़े मेनहोल में गिर गया।

फिलहाल नए फीचर पर पाबंदी व्हाट्स एप के नए फीचर पर केंद्र सख्त, मेटा को मेजा नोटिस
नई दिल्ली (भाषा)। केंद्र सरकार ने भारत में व्हाट्स अप के नए यूजर नेम फीचर को लेकर कड़ा रुख अपनाना है। सूत्रों के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस फीचर के संबंध में व्हाट्स अप की कंपनी मेटा को नोटिस जारी करते हुए तीन दिन के भीतर विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही मंत्रालय ने परामर्श प्रक्रिया पूरी होने तक इस फीचर को भारत में लागू नहीं करने के निर्देश भी दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रालय ने व्हाट्स अप की उस सार्वजनिक घोषणा का संज्ञान लिया है, जिसमें कंपनी ने बताया था कि वह अपने यूजर नेम फीचर को चरणबद्ध तरीके से वैश्विक स्तर पर, भारत सहित, शुरू कर रही है।

घायलों ने माना महावतों की गलती नहीं
हाथों के साथ चल रहे महावत राजू वासनिक और गणेश वासुदेव ने बताया कि उन्होंने युवकों को पहले ही दूर रहने की चेतावनी दी थी। हालांकि, हादसे के बाद महावत दल ने ही तत्परता दिखाते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में इलाज करा रहे युवकों ने भी माना कि इस घटना में महावत दल की कोई गलती नहीं थी। यह हादसा सबक है कि वन्यजीवों के प्यादा करीब जाना जानलेवा साबित हो सकता है।

घायलों ने माना महावतों की गलती नहीं
हाथों के साथ चल रहे महावत राजू वासनिक और गणेश वासुदेव ने बताया कि उन्होंने युवकों को पहले ही दूर रहने की चेतावनी दी थी। हालांकि, हादसे के बाद महावत दल ने ही तत्परता दिखाते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में इलाज करा रहे युवकों ने भी माना कि इस घटना में महावत दल की कोई गलती नहीं थी। यह हादसा सबक है कि वन्यजीवों के प्यादा करीब जाना जानलेवा साबित हो सकता है।

घायलों ने माना महावतों की गलती नहीं
हाथों के साथ चल रहे महावत राजू वासनिक और गणेश वासुदेव ने बताया कि उन्होंने युवकों को पहले ही दूर रहने की चेतावनी दी थी। हालांकि, हादसे के बाद महावत दल ने ही तत्परता दिखाते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में इलाज करा रहे युवकों ने भी माना कि इस घटना में महावत दल की कोई गलती नहीं थी। यह हादसा सबक है कि वन्यजीवों के प्यादा करीब जाना जानलेवा साबित हो सकता है।

घायलों ने माना महावतों की गलती नहीं
हाथों के साथ चल रहे महावत राजू वासनिक और गणेश वासुदेव ने बताया कि उन्होंने युवकों को पहले ही दूर रहने की चेतावनी दी थी। हालांकि, हादसे के बाद महावत दल ने ही तत्परता दिखाते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में इलाज करा रहे युवकों ने भी माना कि इस घटना में महावत दल की कोई गलती नहीं थी। यह हादसा सबक है कि वन्यजीवों के प्यादा करीब जाना जानलेवा साबित हो सकता है।

घायलों ने माना महावतों की गलती नहीं
हाथों के साथ चल रहे महावत राजू वासनिक और गणेश वासुदेव ने बताया कि उन्होंने युवकों को पहले ही दूर रहने की चेतावनी दी थी। हालांकि, हादसे के बाद महावत दल ने ही तत्परता दिखाते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में इलाज करा रहे युवकों ने भी माना कि इस घटना में महावत दल की कोई गलती नहीं थी। यह हादसा सबक है कि वन्यजीवों के प्यादा करीब जाना जानलेवा साबित हो सकता है।

घायलों ने माना महावतों की गलती नहीं
हाथों के साथ चल रहे महावत राजू वासनिक और गणेश वासुदेव ने बताया कि उन्होंने युवकों को पहले ही दूर रहने की चेतावनी दी थी। हालांकि, हादसे के बाद महावत दल ने ही तत्परता दिखाते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में इलाज करा रहे युवकों ने भी माना कि इस घटना में महावत दल की कोई गलती नहीं थी। यह हादसा सबक है कि वन्यजीवों के प्यादा करीब जाना जानलेवा साबित हो सकता है।

उत्तराखंड, हिमाचल में मलबा घर में घुसा

मुंबई के अलावा उत्तराखंड में मानसून की तेज बारिश अब आफत बन रही है। चमोली जिले के ज्योतिर्मठ क्षेत्र में मलबा कुछ घरों में भारी मलबा घुस गया। एक अन्य पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भी बारिश का कहर दिख रहा है। हिमाचल प्रदेश में मानसून की शुरुआत के साथ भारी बारिश और भूस्खलन से कई जिलों में व्यापक नुकसान हुआ है। लाहौल-स्पीति में दो और चंबा में एक स्थान पर बादल फटने से सड़कें, फसलें और संपर्क मार्ग प्रभावित हुए। मंडी जिले में पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई।

उत्तराखंड के 5 जिलों में अर्रेंज अलर्ट
उत्तराखंड के पांच जिलों में भारी बारिश का अर्रेंज अलर्ट जारी किया गया है। बाकी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक फिलहाल बारिश से निजात मिलने के आशार नहीं है। कई इलाकों में भूस्खलन के खतरों को लेकर भी आगाह किया गया है।

बीएमसी ने 4 अफसरों को सस्पेंड किया मेयर भी नाराज, 10 लाख रु. मुआवजा
इस दर्दनाक हादसे पर मुंबई की मेयर रितु तावड़े ने बीएमसी प्रशासन के ढीले रवये पर कड़ा गुस्सा जाहिर किया है। मेयर ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। 2 साल पहले ही मेनहोल पर जाली लगाने का ठेका दे दिया गया था। अब रेड अलर्ट में काम क्यों किया जा रहा था? मेयर ने पीड़ित परिवार के लिए 10 लाख रुपए के मुआवजे का ऐलान किया है। बीएमसी ने ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। बीएमसी के 4 जिम्मेदार अधिकारियों को सस्पेंड किया है।

खदान में चट्टान गिरने से 7 श्रमिकों की गई जान
बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु शहरी जिले में गुरुवार को पत्थर की एक खदान में विशाल चट्टान गिरने से सात श्रमिकों की मौत हो गई जिनमें पांच मध्यप्रदेश के थे। शुरू में पुलिस सूत्रों ने कहा था कि हादसा होने वाले लोगों में ज्यादातर बिहार के हैं, लेकिन बाद में साफ किया गया कि वे मध्यप्रदेश के थे। यशवंतपुर के विधायक एस.टी. सोमशेखर ने दावा किया था कि अस्पताल में एक घायल श्रमिक के दम तोड़ देने के साथ ही मृतकों की संख्या आठ हो गई। हालांकि, उपमहानिरीक्षक एस. निरीश ने स्पष्ट किया कि बेंगलुरु शहरी जिले में बेंगलुरु दक्षिणी जिले की सीमा से सटे मडापटुन में हुई इस घटना में सात लोगों की मौत हुई, पांच घायल हुए, जबकि चार अन्य को कोई चोट नहीं पहुंची। भूगर्भ विज्ञान विभाग के अधिकारी रंगप्पा ने बताया कि खदान मालिक मृतकों के परिजनों और घायलों को मुआवजा देने के लिए सहमत हो गया है। रंगप्पा ने पत्रकारों से कहा, मैंने खदान मालिक से बात की है ताकि मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए और घायल व्यक्तियों को पांच-पांच लाख रुपए का मुआवजा मिल सके।

खदान में चट्टान गिरने से 7 श्रमिकों की गई जान
बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु शहरी जिले में गुरुवार को पत्थर की एक खदान में विशाल चट्टान गिरने से सात श्रमिकों की मौत हो गई जिनमें पांच मध्यप्रदेश के थे। शुरू में पुलिस सूत्रों ने कहा था कि हादसा होने वाले लोगों में ज्यादातर बिहार के हैं, लेकिन बाद में साफ किया गया कि वे मध्यप्रदेश के थे। यशवंतपुर के विधायक एस.टी. सोमशेखर ने दावा किया था कि अस्पताल में एक घायल श्रमिक के दम तोड़ देने के साथ ही मृतकों की संख्या आठ हो गई। हालांकि, उपमहानिरीक्षक एस. निरीश ने स्पष्ट किया कि बेंगलुरु शहरी जिले में बेंगलुरु दक्षिणी जिले की सीमा से सटे मडापटुन में हुई इस घटना में सात लोगों की मौत हुई, पांच घायल हुए, जबकि चार अन्य को कोई चोट नहीं पहुंची। भूगर्भ विज्ञान विभाग के अधिकारी रंगप्पा ने बताया कि खदान मालिक मृतकों के परिजनों और घायलों को मुआवजा देने के लिए सहमत हो गया है। रंगप्पा ने पत्रकारों से कहा, मैंने खदान मालिक से बात की है ताकि मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए और घायल व्यक्तियों को पांच-पांच लाख रुपए का मुआवजा मिल सके।

खदान में चट्टान गिरने से 7 श्रमिकों की गई जान
बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु शहरी जिले में गुरुवार को पत्थर की एक खदान में विशाल चट्टान गिरने से सात श्रमिकों की मौत हो गई जिनमें पांच मध्यप्रदेश के थे। शुरू में पुलिस सूत्रों ने कहा था कि हादसा होने वाले लोगों में ज्यादातर बिहार के हैं, लेकिन बाद में साफ किया गया कि वे मध्यप्रदेश के थे। यशवंतपुर के विधायक एस.टी. सोमशेखर ने दावा किया था कि अस्पताल में एक घायल श्रमिक के दम तोड़ देने के साथ ही मृतकों की संख्या आठ हो गई। हालांकि, उपमहानिरीक्षक एस. निरीश ने स्पष्ट किया कि बेंगलुरु शहरी जिले में बेंगलुरु दक्षिणी जिले की सीमा से सटे मडापटुन में हुई इस घटना में सात लोगों की मौत हुई, पांच घायल हुए, जबकि चार अन्य को कोई चोट नहीं पहुंची। भूगर्भ विज्ञान विभाग के अधिकारी रंगप्पा ने बताया कि खदान मालिक मृतकों के परिजनों और घायलों को मुआवजा देने के लिए सहमत हो गया है। रंगप्पा ने पत्रकारों से कहा, मैंने खदान मालिक से बात की है ताकि मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए और घायल व्यक्तियों को पांच-पांच लाख रुपए का मुआवजा मिल सके।

खदान में चट्टान गिरने से 7 श्रमिकों की गई जान
बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु शहरी जिले में गुरुवार को पत्थर की एक खदान में विशाल चट्टान गिरने से सात श्रमिकों की मौत हो गई जिनमें पांच मध्यप्रदेश के थे। शुरू में पुलिस सूत्रों ने कहा था कि हादसा होने वाले लोगों में ज्यादातर बिहार के हैं, लेकिन बाद में साफ किया गया कि वे मध्यप्रदेश के थे। यशवंतपुर के विधायक एस.टी. सोमशेखर ने दावा किया था कि अस्पताल में एक घायल श्रमिक के दम तोड़ देने के साथ ही मृतकों की संख्या आठ हो गई। हालांकि, उपमहानिरीक्षक एस. निरीश ने स्पष्ट किया कि बेंगलुरु शहरी जिले में बेंगलुरु दक्षिणी जिले की सीमा से सटे मडापटुन में हुई इस घटना में सात लोगों की मौत हुई, पांच घायल हुए, जबकि चार अन्य को कोई चोट नहीं पहुंची। भूगर्भ विज्ञान विभाग के अधिकारी रंगप्पा ने बताया कि खदान मालिक मृतकों के परिजनों और घायलों को मुआवजा देने के लिए सहमत हो गया है। रंगप्पा ने पत्रकारों से कहा, मैंने खदान मालिक से बात की है ताकि मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए और घायल व्यक्तियों को पांच-पांच लाख रुपए का मुआवजा मिल सके।

खदान में चट्टान गिरने से 7 श्रमिकों की गई जान
बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु शहरी जिले में गुरुवार को पत्थर की एक खदान में विशाल चट्टान गिरने से सात श्रमिकों की मौत हो गई जिनमें पांच मध्यप्रदेश के थे। शुरू में पुलिस सूत्रों ने कहा था कि हादसा होने वाले लोगों में ज्यादातर बिहार के हैं, लेकिन बाद में साफ किया गया कि वे मध्यप्रदेश के थे। यशवंतपुर के विधायक एस.टी. सोमशेखर ने दावा किया था कि अस्पताल में एक घायल श्रमिक के दम तोड़ देने के साथ ही मृतकों की संख्या आठ हो गई। हालांकि, उपमहानिरीक्षक एस. निरीश ने स्पष्ट किया कि बेंगलुरु शहरी जिले में बेंगलुरु दक्षिणी जिले की सीमा से सटे मडापटुन में हुई इस घटना में सात लोगों की मौत हुई, पांच घायल हुए, जबकि चार अन्य को कोई चोट नहीं पहुंची। भूगर्भ विज्ञान विभाग के अधिकारी रंगप्पा ने बताया कि खदान मालिक मृतकों के परिजनों और घायलों को मुआवजा देने के लिए सहमत हो गया है। रंगप्पा ने पत्रकारों से कहा, मैंने खदान मालिक से बात की है ताकि मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए और घायल व्यक्तियों को पांच-पांच लाख रुपए का मुआवजा मिल सके।

खदान में चट्टान गिरने से 7 श्रमिकों की गई जान
बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु शहरी जिले में गुरुवार को पत्थर की एक खदान में विशाल चट्टान गिरने से सात श्रमिकों की मौत हो गई जिनमें पांच मध्यप्रदेश के थे। शुरू में पुलिस सूत्रों ने कहा था कि हादसा होने वाले लोगों में ज्यादातर बिहार के हैं, लेकिन बाद में साफ किया गया कि वे मध्यप्रदेश के थे। यशवंतपुर के विधायक एस.टी. सोमशेखर ने दावा किया था कि अस्पताल में एक घायल श्रमिक के दम तोड़ देने के साथ ही मृतकों की संख्या आठ हो गई। हालांकि, उपमहानिरीक्षक एस. निरीश ने स्पष्ट किया कि बेंगलुरु शहरी जिले में बेंगलुरु दक्षिणी जिले की सीमा से सटे मडापटुन में हुई इस घटना में सात लोगों की मौत हुई, पांच घायल हुए, जबकि चार अन्य को कोई चोट नहीं पहुंची। भूगर्भ विज्ञान विभाग के अधिकारी रंगप्पा ने बताया कि खदान मालिक मृतकों के परिजनों और घायलों को मुआवजा देने के लिए सहमत हो गया है। रंगप्पा ने पत्रकारों से कहा, मैंने खदान मालिक से बात की है ताकि मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए और घायल व्यक्तियों को पांच-पांच लाख रुपए का मुआवजा मिल सके।

खदान में चट्टान गिरने से 7 श्रमिकों की गई जान
बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु शहरी जिले में गुरुवार को पत्थर की एक खदान में विशाल चट्टान गिरने से सात श्रमिकों की मौत हो गई जिनमें पांच मध्यप्रदेश के थे। शुरू में पुलिस सूत्रों ने कहा था कि हादसा होने वाले लोगों में ज्यादातर बिहार के हैं, लेकिन बाद में साफ किया गया कि वे मध्यप्रदेश के थे। यशवंतपुर के विधायक एस.टी. सोमशेखर ने दावा किया था कि अस्पताल में एक घायल श्रमिक के दम तोड़ देने के साथ ही मृतकों की संख्या आठ हो गई। हालांकि, उपमहानिरीक्षक एस. निरीश ने स्पष्ट किया कि बेंगलुरु शहरी जिले में बेंगलुरु दक्षिणी जिले की सीमा से सटे मडापटुन में हुई इस घटना में सात लोगों की मौत हुई, पांच घायल हुए, जबकि चार अन्य को कोई चोट नहीं पहुंची। भूगर्भ विज्ञान विभाग के अधिकारी रंगप्पा ने बताया कि खदान मालिक मृतकों के परिजनों और घायलों को मुआवजा देने के लिए सहमत हो गया है। रंगप्पा ने पत्रकारों से कहा, मैंने खदान मालिक से बात की है ताकि मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए और घायल व्यक्तियों को पांच-पांच लाख रुपए का मुआवजा मिल सके।

भारत-जापान के संबंध लगातार मजबूत हुए

दोनों देशों ने व्यापार और निवेश को अगले स्तर पर ले जाने के लिए जताई प्रतिबद्धता

एजेंसी ►► नई दिल्ली
केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि निवेश भारत-जापान साझेदारी का अहम आधार है और इसी के जरिए दोनों देशों के संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। ‘द इंडो-जापान स्ट्रैटेजिक डायलॉग’ में उन्होंने कहा कि भार त - जा पा न की साझेदारी का प्रमुख केंद्र निवेश रहा है और दोनों देश इसे अगले स्तर तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोयल ने कहा कि मारुति सुजुकी लगभग 40 साल पहले भारत आई और आधुनिक, किफायती तथा टेक्नोलॉजी आधारित गाड़ियां लेकर आई, जिसने भारत को ऑटोमोबाइल क्षेत्र में वैश्विक ताकत बनने की राह पर आगे बढ़ाया। उन्होंने बताया कि मई महीने में भारत में बिकी 4 लाख पैसेंजर गाड़ियों में से 1.47 लाख मारुति सुजुकी की थीं।

भारत जापान को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद निर्यात कर रहा
जापान स्ट्रैटेजिक डायलॉग’ में उन्होंने कहा कि भार त - जा पा न की साझेदारी का प्रमुख केंद्र निवेश रहा है और दोनों देश इसे अगले स्तर तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोयल ने कहा कि मारुति सुजुकी लगभग 40 साल पहले भारत आई और आधुनिक, किफायती तथा टेक्नोलॉजी आधारित गाड़ियां लेकर आई, जिसने भारत को ऑटोमोबाइल क्षेत्र में वैश्विक ताकत बनने की राह पर आगे बढ़ाया। उन्होंने बताया कि मई महीने में भारत में बिकी 4 लाख पैसेंजर गाड़ियों में से 1.47 लाख मारुति सुजुकी की थीं।

उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना
पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 4 से 6 जुलाई के दौरान बारिश का अलर्ट है। राजस्थान में 6 जुलाई तक बारिश होने की संभावना है। उत्तराखंड में भी मानसून पहुंच चुका है। यहां 2 से 6 जुलाई के दौरान बारिश होने की पूरी संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है और 3 जुलाई के आसपास इन इलाकों में मानसून यहां और सक्रिय रहने की संभावना है। महाराष्ट्र के 2-3 जुलाई और दक्षिण गुजरात में 3 और 4 जुलाई को कहीं कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

डीयू स्नातक प्रवेश दूसरा चरण शुरू करेगा
नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली विश्वविद्यालय शुक्रवार को सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (सीएसएसएस) पोर्टल के जरिये स्नातक प्रवेश का दूसरा चरण शुरू करेगा। इससे उम्मीदवार 16 जुलाई को आने वाली पहली सीट आवंटन सूची से पहले अपने कॉलेज और पाठ्यक्रम की प्राथमिकताएं भर सकेंगे। विश्वविद्यालय की ओर से जारी प्रवेश कार्यक्रम के अनुसार, जिन अभ्यर्थियों ने फेज एक का पंजीकरण पूरा कर लिया है, वे तीन जुलाई से 11 जुलाई की रात 11:59 बजे तक फेज दो में शामिल हो सकेंगे। पहली सीएसएसएस आवंटन सूची 16 जुलाई को शाम पांच बजे जारी की जाएगी। जिन अभ्यर्थियों को सीट आवंटित होगी, उन्हें 16 से 18 जुलाई के बीच उन्हें स्वीकार करना होगा, जबकि कॉलेज 20 जुलाई तक आवेदनों की जांच और मंजूरी देंगे।

एलजी मनोज सिन्हा ने दिखाई हरी झंडी अमरनाथ यात्रा: पहला जत्था रवाना

जम्मू। पवित्र अमरनाथ यात्रा 2026 का शंखनाद हो चुका है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल (एलजी) और श्री अमरनाथ श्री श्रावण बोर्ड के चेयरमैन मनोज सिन्हा ने गुरुवार सुबह जम्मू के मंगलवी नगर बेस कैम्प से श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर कश्मीर घाटी के लिए रवाना किया। इस दौरान पूरा माहौल बम-बम भोले से गूँज उठा। पहले जत्थे में कुल 4,822 तीर्थयात्री शामिल हुए। श्रद्धालु पारंपरिक पहिरान और बालटाल, दोनों रास्तों से पवित्र गुफा की ओर बढ़ेंगे। इस बार अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित और निबांध बनाने के लिए सुरक्षा के अमृतपूर्व इंतजाम किए गए हैं, जिसे ऑपरेशन शिवा नाम दिया गया है। दोनों यात्रा मार्गों की कड़ी निगरानी के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों की 670 कंपनियां तैनात की गई हैं। मुख्य रास्तों और लिंक रोड पर सुरक्षा चौकियों के अलावा स्नाइपर्स और वेली कमांडोज को तैनात किया गया है।

एलजी मनोज सिन्हा ने दिखाई हरी झंडी अमरनाथ यात्रा: पहला जत्था रवाना

एलजी मनोज सिन्हा ने दिखाई हरी झंडी अमरनाथ यात्रा: पहला जत्था रवाना

एलजी मनोज सिन्हा ने दिखाई हरी झंडी अमरनाथ यात्रा: पहला जत्था रवाना

एलजी मनोज सिन्हा ने दिखाई हरी झंडी अमरनाथ यात्रा: पहला जत्था रवाना

एलजी मनोज सिन्हा ने दिखाई हरी झंडी अमरनाथ यात्रा: पहला जत्था रवाना

एलजी मनोज सिन्हा ने दिखाई हरी झंडी अमरनाथ यात्रा: पहला जत्था रवाना